Volume : 5 | Issue : 8 | August 2016 ISSN - 2250-1991 | IF : 5.215 | IC Value : 77.65

Original Research Paper Education

भारतीय संदर्भ में नारी शिक्षा की स्थिति : एक समीक्षात्मक अध्ययन

डॉ. विष्णु कुमार | सहायक प्रोफेसर शिक्षा विभाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ–341306 (राज.)

KEYWORDS

शिक्षा एक सामाजिक, गत्यात्मक व अनुभवों का सतत् पुनर्गठन है। शिक्षा उतनी ही प्राचीन है जितनी कि मानव जाति। सभ्यता के प्रारम्भ से ही शिक्षा मानव समाज के लिए बहुत अधिक आवश्यक समझी गई है। शिक्षा के द्वारा हमारे व्यवहार में परिवर्तन होता है। हम सुसभ्य बनते है शिक्षा किसी भी राष्ट्र का आधार स्तम्भ होती है। वह पुरातनकाल को नवीन काल से जोड़कर राष्ट्र व समाज को प्रकाशवान करती है। भारत अपनी गौरवमयी शिक्षा प्रणाली के बल पर जगतगुरू रहा है तथा वर्षों तक अपने ज्ञान के आलोक से संसार को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

सभी कालों में नारी शिक्षा की स्थिति :

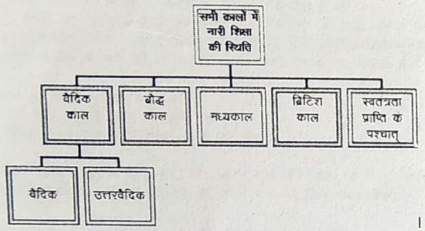

ऋग्वेदिक काल में नारी शिक्षा :
वैदिक काल में नारी पुरूष की अर्द्धांगिनी मानी जाती थी तथा श्री और पुरूष के रूप में वह मनुष्य के जीवन को खुश और समृद्धि से दीप्ति और पुजित करने वाली कही गयी। नारियों की दशा में परिवर्तन युग के अनुरूप होता रहा है। उसकी दशा में वैदिक युग से लेकर पूर्व मध्य युग तक अनेक उतार चढ़ाव आते रहे तथा अधिकारों में परिवर्तन भी होते रहे हैं। वैदिक काल में नारी का बड़ा सम्मान था। नारी को धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्रों में उच्च स्थान प्राप्त था। वह आत्मिक उत्थान तथा बौद्धिक प्रभाव प्राप्त करने को स्वतंत्र थी। वह हर धार्मिक व सामाजिक आयोजन में सहभागिनी होती थी। वैदिक साहित्य में ऐसे अनेक प्रसंग आते हैं। जिनके अन्तर्गत माता–पिता द्वारा एक सुशील व प्रतिभाशाली पुत्री प्राप्त करने के उद्देश्य से अनेक अनुष्ठान, पूजा–व्रत किए जाते थे। महिलाएं वेदों का अध्ययन करने को स्वतंत्र थी। वे वयस्क होने पर शादी करती थी और अपना वर स्वयं चुनने में पूर्णतया स्वतंत्र थी। वैदिक काल में अनेक विदुषियां हुई थी जिन्होंने वेदों की ऋचाओं की रचना की थी व पुरूषों से शास्त्रार्थ करती थी। मैत्रेयी, गार्गी व लीलावती ऐसी ही विदुषी थी। लीलावती उनमें से एक गणितज्ञ थी ऐसी सुविज्ञ व मेधावी नारियों के लिये कहा गया है–
"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता"

2. बौद्धकाल में नारी शिक्षा की स्थिति :
महात्मा बुद्ध ने जन साधारण को जीवन का व्यावहारिक स्वरूप प्रदान किया और व्यावहारिक धर्म व व्यावहारिक शिक्षा सभी वर्गों के लिये उपलब्ध हो यह व्यवस्था की गई। इस प्रकार बौद्ध युगीन शिक्षा में सभी समुदायों के लोगों को बिना भेदभाव शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलने लगे। बौद्ध धर्म के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध थे। प्राचीन काल के अन्य धर्मापदेशकों की तरह महात्मा बुद्ध ने भी अपने धर्म का प्रचार मौखिक रूप से ही किया। बौद्ध दर्शन की जन्मभूमि भारत है।
बौद्ध काल में नारियां प्रायः शिक्षित और विद्वान हुआ करती थी। विद्या, धर्म, दर्शन, के प्रति उनकी रूचि होती थी। बौद्ध आगमों की शिक्षिकाओं के रूप में भी उन्होंने ख्याति प्राप्त की थी। भिक्षुणी रवेमा उस युग की उच्च शिक्षा प्राप्त स्त्री थी, जिसकी विद्वता की ख्याति दूर–दूर तक फैली थी। संयुक्त निकाय से ज्ञात होता है कि सुभद्रा नामक भिक्षुणी व्याख्यान देने में प्रसिद्ध थी। ये उद्धरण इस बात के प्रमाण है कि उस युग में साधारणतया स्त्रियां ज्ञान पिपासु भी थी

3. मध्यकाल में नारी शिक्षा की स्थिति :
मध्यकालीन युग मुगलकाल के नाम से भी जाना जाता है। इस काल में नारी शिक्षा के लिए अंधकार युग के नाम से संबोधित किया जाता है। इस काल में नारी की स्वतंत्रता अधिकाधिक नियंत्रित हो गई। नारी को पुरूष की सम्पति समझा जाने लगा। वैदिककाल, बौद्धकाल के पश्चात मध्यकाल में नारियों की स्थिति में परिवर्तन होने के साथ ही शिक्षा की स्थिति भी बिगड़ गई। मुगलकाल में मुस्लिम आक्रमणकारियों के भय के कारण नारी की सुरक्षा के लिये अनेक प्रयास किये जाने लगे।
मुसलमानों से सम्पर्क बढ़ने पर भारत देश में दो कुरीतियां चल पड़ी जो निम्न है–

पर्दा प्रथा
बाल विवाह
ऊंपरोक्त दोनों कुरीतियों से तो लड़कियों की शिक्षा पर स्वतः ही परदा पड़ गया। मध्यकाल में स्त्रियों की शिक्षा के सम्बन्ध में सुविधाओं के बारे में जानकारी अपर्याप्त है। हिन्दू बालिकाओं की शिक्षा के प्रबन्ध के बारे में भी हमारे पास सीमित साधन है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा का स्तर निम्न था। नगरों में अनेक स्त्रियां शिक्षित थी इन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। कई स्त्रियां इतनी योग्य होती थी कि वे शासन चलाने में दक्ष होती थी या उनका राजनीतिक गतिविधियों में प्रभाव रहता था। अनेक कुरीतियों के कारण हिन्दू जन–साधारण (निर्धन) नारी वर्ग के लिये शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं थी। केवल मुस्लिम उच्च घराने की स्त्रियो के लिएं ही घर पर शिक्षा का प्रबन्ध होता था। मुस्लिम कन्याओं की शिक्षा के लिए वयोवृद्ध मौलवी अथवा शिक्षित महिलाए घर पर ही बुलाई जाती थी। 15वीं शताब्दी के ईरानी चित्रों में शिक्षक लड़कों व लड़कियों को पढ़ाते दिखाए गए है। गुलबदन बेगम का हुमायूंनामा एक सुसंस्कृत मुस्लिम महिला का अच्छा रूप प्रदर्शित करता है।

आधुनिक भारत
1. ब्रिटिश कालीन नारी शिक्षा की स्थिति :
अंग्रेजों के शासनकाल में भारतीय समाज में नवयुग का सूत्रपात हुआ। नारी को सभी क्षेत्रों में स्वतंत्रता प्राप्त हो गई। 19वीं सदी में नारी समाज ने नारी मुक्ति के लिये भरसक प्रयास किया। 1600 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना के बाद ब्रिटिश हुकुमत भारत में धीरे–धीरे पैर पसारने लगी। प्रारम्भिक काल में नारी शिक्षा के प्रति उदासीनता ब्रिटिश सरकार द्वारा दिखाई गई। नारी शिक्षा की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया क्योंकि कम्पनी को अपने शासन–प्रबन्ध के लिए शिक्षित युवक चाहिए थे न कि युवतियां। 1856 में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम लागू हुआ। औरतों को उस समय अनेक आन्दोलनों में सहयोग करने के लिये बुलाया गया।

1955 में हिन्दू विवाह अधिनियम सन् 1956 में हिन्दू उत्तराधिकार की रचना हो गई । 1975 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के रूप में मान्यता दी गई। महिला वर्ग के उत्थान के लिए मादरे अल्वा कान्ता भटनागर जैसी महिलाओं ने अपने आदर्शों से नारी वर्ग का मार्गदर्शन किया।

2. स्वाधीन भारत में नारी शिक्षा की स्थिति :
स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में महिला शिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन हुये हैं। प्राचीन काल में जहां महिलाएं अनेक बन्धनों में बंधी हुई थी। आज वह बंधन धीरे–धीरे ढीले होते जा रहे है व शिक्षा जगत में महिलाएं स्वयं आगे आ रही है।
स्वतंत्रता से पहले निम्नवर्ग की महिलाएं उद्योगों और घरेलू कार्यों के द्वारा जीविका उपार्जित करती थी। मध्यम और उच्च वर्ग की महिलाओं द्वारा कोई आर्थिक क्रिया करना अनैतिकता के रूप में देखा जाता था। स्वतंत्रता के पश्चात यही संख्या में मध्यम वर्ग की महिलाओं ने आगे की ओर बढ़ना प्रारम्भ कर दिया। आज शिक्षा, स्वास्थ्य चिकित्सा, समाज कल्याण, मनोरंजन, उद्योगों और कार्यालय में महिला कर्मचारियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है। समय के बदलते स्वरूप में पुरूषों ने भी अपनी सोच बदली है और महिलाओं को शिक्षा के लिये पुरूष स्वयं प्रेरित कर रहे हैं।

Scanned by CamScanner